Need to establish an IIM in Gorakhpur

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन (गोरखपुर) : सभापति महोदया, आपने मुझे शून्य काल के अधीन मेरे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर से संबंधित एक लोक महत्व के मामले को उठाने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूं । गोरखपुर गोरखनाथ की धरती, उत्तर प्रदेश पूर्वांचल का सबसे बड़ा महानगर है । गोरखपुर शिक्षा, व्यापार, पर्यटन का एक बड़ा केंद्र है । गीडा इंडस्ट्रियल एरिया है, प्रधान मंत्री जी द्वारा वहां एम्स दिया गया है, फर्टिलाइजर, खाद का केंद्र है, चार यूनीवर्सिटीज़ हैं । हमारे बच्चे बड़े मेधावी हैं । पूर्वांचल के, बिहार के लगभग बीस जिले अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए गोरखपुर पर निर्भर रहते हैं । यहां रेलवे का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है और यहां एयरपोर्ट भी है । गोरखपुर व उसके आसपास के क्षेत्र के बच्चे बड़े मेधावी होते हैं और बच्चे पढ़ने के बाद अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं । उनका रिजल्ट बहुत अच्छा आता है और वे टॉपर्स होते हैं ।

13.00 hrs

उसके आसपास अपार संभावनाएं हैं । गोरखपुर में प्रबंधन संस्थान न होने के कारण उन लोगों को अपने परिवार से काफी दूर जाना पड़ता है । समाज के आर्थिक रूप से कमजोर, दलित और वंचित वर्ग के लोग हैं, निषाद समाज का काफी बड़ा समाज है, उनके बच्चे अच्छे पढ़ते हैं, टॉपर्स हैं । छात्रों को संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को छोड़ना पड़ता है और यह बड़ी दुखद बात है । गोरखपुर में एक भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना हो जाने से उन लोगों का जीवन बन जाएगा, वे लोग बहुत आगे जाएंगे । छात्र और छात्राओं को अध्ययन करने का अवसर मिलेगा । भारत और पूरे पूर्वांचल में गोरखपुर एक नज़ीर पेश कर रहा है । वहां बहुत सारी फिल्मों की शूटिंग होती है जो रोजगार का भी एक माध्यम है । आईआईएम खुल जाने से वहां का चहुमुखी विकास होगा ।

राज्य सरकार से जितनी सहायता चाहिए, उसे उपलब्ध कराने के लिए वह तत्पर है । मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि गोरखपुर में एक भारतीय प्रबंधन संस्थान आईआईएम की स्थापना करने की दिशा में तत्काल निर्णय लेकर इस क्षेत्र के भविष्य को संवारने में महत्वूर्ण योगदान देने की कृपा करें । धन्यवाद ।